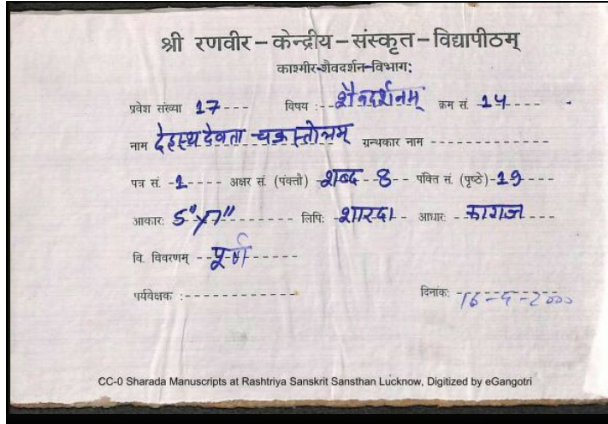


Dehastha Devata Chakra Stotram

Sharda to Devanagari transliteration worked on 26-5-2020 and 27-5-2020 by Core Sharda Team.

Main file snapshots with the link given below:

<https://archive.org/details/DehasthaDevataChakraStotramSharadaRSktSJammuNo67/mode/2up>

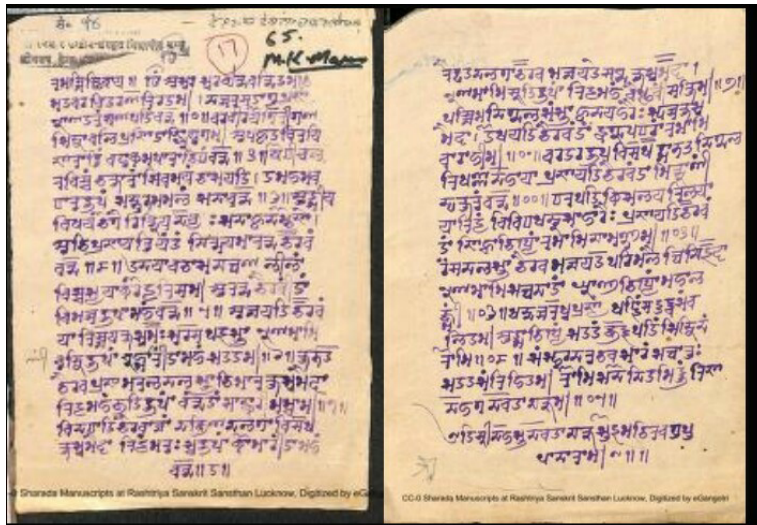


☆ 📄 🚩

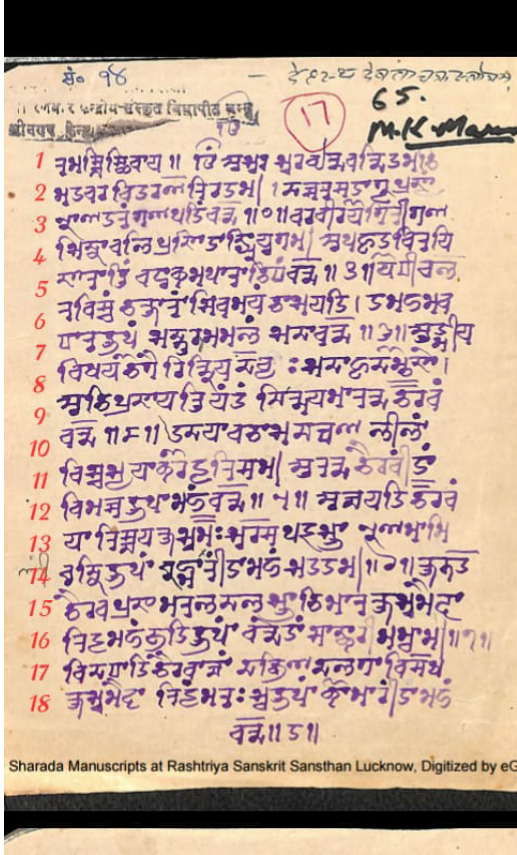
Dehastha Devata Chakra Stotram Sharada RSkt S Jammu No 67

by eGangotri

Usage CC 1.0 Universal (CC) (BY) (NC) (ND)



Edited file with numbers



Syllable to syllable transliteration & Syllable to words and sentence formation.

1. न म शि च च्छि वा च ऊँ अ सुर सुर वृन्द व न्दि तम् भ
1. नमश्चिच्चिछवाय ॐ असुरसुरवृन्दवन्दितम् भ
2. म त व र वि त र णे नि र तं द र्श न श ता ग्र्य पू ज्यं
2. मतवरवितरणे निरतं दर्शनशताग्र्य पूज्यं
3. प्रा ण त नुं ग ण प तिं व न्दे ॥१॥ व र वी र यो गि नी ग ण
3. प्राणतनुं गणपतिं वन्दे ॥१॥ वरवीरयोगिनीगण
4. सि द्धा व लि पू जि ता इ ष्मि यु ग्म अ प ह त वि न यि
4. सिद्धावलि पूजिताइष्मियुगम् अपहत विनयि

5.जनापत्तिं बटुकमपानाभिधं वन्दे ॥२॥ यो धी बले

5.जनापत्तिं बटुकमपानाभिधं वन्दे ॥२॥ यो धी बले

6.न विश्वं भक्तानां शिवमयं भासयति तमहमव

6.न विश्वं भक्तानां शिवमयं भासयति तमहमव

7.धानरूपं सद्गुरुममलं सदा वन्दे ॥३॥ आत्मीय

7.धानरूपं सद्गुरुममलं सदा वन्दे ॥३॥ आत्मीय

8. विषयभोगैरिन्द्रियदेव्यः सदा हृदम्भोजे

8. विषयभोगैरिन्द्रियदेव्यः सदा हृदम्भोजे

9.अभिपूजयन्ति यं तं चिन्मयमानन्दभैरवं

9.अभिपूजयन्ति यं तं चिन्मयमानन्दभैरवं

10.वन्दे ॥४॥ उदयावभासचर्वणलीलां

10.वन्दे ॥४॥ उदयावभासचर्वणलीलां

11. विश्वस्य या करोत्यनिशम् आनन्दभैरवीं तां

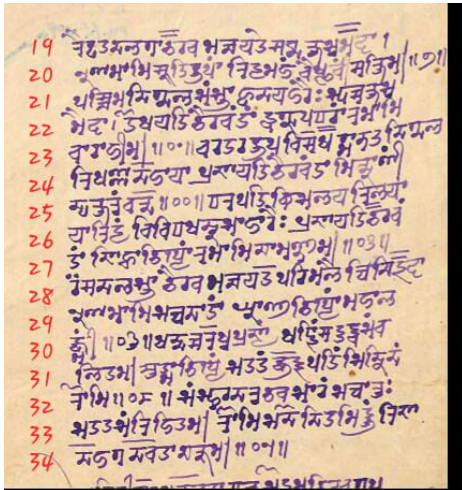
11. विश्वस्य या करोत्यनिशम् आनन्दभैरवीं तां

12.विमर्शरूपामहं वन्दे ॥५॥ अर्चयति भैरवं

12.विमर्शरूपामहं वन्दे ॥५॥ अर्चयति भैरवं

13.यानिश्चयकुसुमैः सुरेशपत्रस्थाप्रणमामि

13. या निश्चयकुसुमैः सुरेश पत्रस्था प्रणमामि
14. बुद्धि रूपां ब्रह्मानीं तामहं सततम् ॥६॥ कुरुते
14. बुद्धिरूपां ब्रह्मानीं तामहं सततम् ॥६॥ कुरुते
15. भैरव पूजामनलदलस्थाभिमानकुसुमैर्या
15. भैरव पूजामनलदलस्थाभिमानकुसुमैर्या
16. नित्यमहं कृतिरूपां वन्दे तां शाङ्करीमम्बाम् ॥७॥
16. नित्यमहं कृतिरूपां वन्दे तां शाङ्करीमम्बाम् ॥७॥
17. विदधाति भैरवार्चादक्षिणदलगाविशेष
17. विदधाति भैरवार्चादक्षिणदलगाविशेष
18. कुसुमैर्या नित्यं मनः स्वरूपां कौमारीं तामहं वन्दे ॥८॥
18. कुसुमैर्या नित्यं मनः स्वरूपां कौमारीं तामहं वन्दे ॥८॥



Syllable to syllable transliteration &
Syllable to words and sentence formation.

19. नैऋतदलगाभैरवमर्चयते शब्दकुसुमैर्या

19. नैऋतदलगा भैरवमर्चयते शब्दकुसुमै र्या
20. प्र ण मा मि श्रु ति रू पां नि त्य म हं वै ष्ण वीं श क्ति म् ॥१॥
20. प्रणमामि श्रुति रूपां नित्यमहं वैष्णवीं शक्तिम् ॥१॥
21. प श्चि म दि ग्द ल सं स्था हृ द य ह रैः स्पर्श कु सु
21. पश्चिम दिग्दलसंस्था हृदयहरैः स्पर्श कुसु
22. मै र्या तो ष य ति भै र वं तां त्व गू प ध रां न मा मि
22. मैर्या तोषयति भैरवं तां त्वगूपधरां नमामि
23. वा रा ही म् ॥१०॥ व र त र रू प वि शे षै र्मा रू त दि ग्द ल
23. वाराहीम् ॥१०॥ वरतर रूप विशेषैर्मारुत दिग्दल
24. नि ष ण्ण दे हा या पू ज य ति भै र वं ता मि न्द्रा णीं
24. निषण्णदेहा या पूजयति भैरवं तामिन्द्राणीं
25. दृ क्त नुं व न्दे ॥११॥ ध न प ति कि स ल य नि ल या
- 25: दृक्तनुं वन्दे ॥११॥ धनपति किसलयनिलया
26. या नि त्यं वि वि ध ष ड् र सा हा रैः पू ज य ति भै र वं
26. यानित्यं विविध षड्रसाहारैः पूजयति भैरवं
27. तां जि ह्वा भि ख्यां न मा मि चा मु ण्डा म् ॥१२॥
27. तां जिह्वाभिख्यां नमामि चामुण्डाम् ॥१२॥

28. ई श द ल स्था भै र व म र्च य ते प रि म लै वि चि त्रै र्या

28. ईशदलस्था भैरवमर्चयते परिमलैर्विचित्रैर्या

29. प्र ण मा मि स र्व दा तां घ्रा णा भि ख्यां म हा ल

29. प्रणमामि सर्वदा तां घ्राणाभिख्यां महाल

30. क्ष्मीम् ॥ १३ ॥ ष ड् द र्श ने षु पू ज्यं ष ड् त्रिं श त त्व सं व

30. क्ष्मीम् ॥ १३ ॥ षड्दर्शनेषु पूज्यं षड् त्रिंशत्त्व संव

31. लि तम् आ त्मा भि ख्यं स त तं क्षे त्र प तिं सि द्धि दं

31. लितम् आत्माभिख्यं सततं क्षेत्रपतिं सिद्धिदं

32. नौ मि ॥ १४ ॥ सं स्फु र द नु भ व सा रं स र्वा न्तः

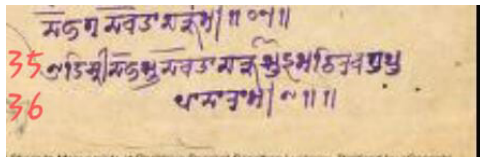
32. नौमि ॥ १४ ॥ संस्फुरदनुभवसारं सर्वान्तः

33. स त तं सं नि हि तम् नौ मि स दो दि त मि त्थं नि ज

33. सततं संनिहितम् नौमि सदोदितमित्थं निज

34. दे ह ग दे व ता च क्रम् ॥ १५ ॥

34. देहगदेवताचक्रम् ॥ १५ ॥



Syllable to syllable transliteration &
Syllable to words and sentence formation.

.35.इति श्री देह स्थ देव ता चक्र स्तोत्र मभि न व गुप्त पा दानाम् ।।

35.इति श्री देहस्थ देवताचक्र स्तोत्रमभिनवगुप्तपादानाम् ।।

After going through the manuscript I felt the following correction is needed....

Line 1

The 6th letter is य ।।

Afterय there is full stop.

The last two letters of the 1st line are मभि

Line 14. ब्रह्मानी (as per the mss.)

But actually ब्रह्मार्णी

After सततम् ।। ६ ।।

Checked

Line. 1.

In syllable 6th letter should be य

Last two letters in the same line 1 should be मभि

Line 14.

The word should be ब्रह्मार्णी